इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)
INDIRA GANDHI KRISHI VISHWAVIDYALAYA, RAIPUR (CHHATTISGARH)

IGKV वार्ता Newsletter

जनवरी से मार्च 2026 www.igkv.ac.in January - March, 2026

कुलपति की कलम से . . .

From the Vice-Chancellor's desk . . .

वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद से उद्यानिकी उत्पादन में काफी तरक्की हुई है। राज्य में उद्यानिकी फसलों के अन्तर्गत 8.24 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल है जिससे 10.72 लाख टन उत्पादन होता है, जो कि देश के कुल उद्यानिकी क्षेत्र का 2.81% और कुल उत्पादन का 2.91% है। देश के कुल उत्पादन में छत्तीसगढ़ का योगदान इस प्रकार है- लीची 10.40%, पपीता 6.75%, कटहल 6.10%, लौकी 6.06%, बैंगन 5.75%, टमाटर 4.99% और फूलगोभी 4.73%। छत्तीसगढ़ में पपीते की उत्पादकता राष्ट्रीय औसत से अधिक है, लेकिन अन्य उद्यानिकी फसलों की उत्पादकता राष्ट्रीय औसत से कम है।

राज्य में अलग-अलग तरह की जलवायु परिस्थितियों के कारण अधिकांश उद्यानिकी फसलों के उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। साथ ही, मध्य भारत में स्थित होने के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों तक परिवहन की सुविधा भी अच्छी है। उद्यानिकी क्षेत्र में नई पीढ़ी के लिए खेती, मार्केटिंग, प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन, परिवहन, व्यापार और निर्यात जैसे कार्यों में रोजगार के भरपूर अवसर हैं। तथापि आर्थिक विकास और पर्यावरण संबंधी लाभों के लिए इस वृहद् क्षमता का सही उपयोग करने के लिए राज्य में रणनीतिक योजना और उसके सफल क्रियान्वयन की तत्काल आवश्यकता है।

छत्तीसगढ़ में उद्यानिकी विकास के लिए किए जा रहे ठोस प्रयासों की आवश्यकता है यथा- फसल-विशेष उत्पादन क्षेत्रों की पहचान करना, अच्छी गुणवत्ता वाले पौधे-बीज उपलब्ध कराने की सुविधाएँ विकसित करना, उत्पादन, मार्केटिंग, प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन, इंटीग्रेटेड पैक हाउस, कोल्ड स्टोरेज आदि के लिए युवाओं का कौशल विकास करना और प्रोसेसिंग इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित करना। अविकसित वन भूमि को लंबे समय के लिए लीज पर देने का नीतिगत निर्णय लिये जाने का उचित अवसर है जिससे बड़े पैमाने पर बहुवर्षीय फलों एवं बागानी फसलों की खेती की जा सके। इस प्रकार अविकसित वन भूमि का स्थायी विकास के साथ छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

डॉ. गिरीश चंदेल

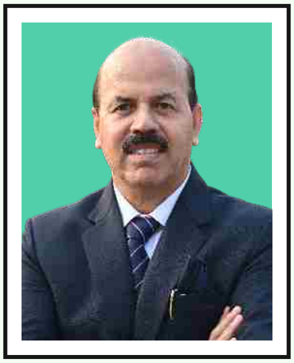

Chhattisgarh state has progressed significantly in horticultural production since its formation in 2000. The area under horticultural crop is 8.24 lakh hectars with production of 10.72 lakh tonnes which contributes 2.81% of area and 2.91% of production our country. In total national production, Chhattisgarh contributes 10.40% litchi, 6.75% papaya, 6.10% jackfruit, 6.06% bottle guard, 5.75% brinjal, 4.99% tomato, 4.73% cauliflower. Papaya productivity is more than national average in Chhattisgarh but productivity of other horticultural crops is below national productivity.

Horticulture development is having huge potential in our state in view of diverse climatic conditions to produce most of the horticultural crops. Further, the location in central India made transport accession to various to different parts of the country. The horticultural sector provides ample opportunities for employment of the new generation for cultivation, marketing, processing, value addition, transport, trading, export etc. Strategic planning and proper execution is urgently required in our state to take its huge potential for economic development and environmental benefits.

The concerted efforts for horticulture development in Chhattisgarh includes-to designate suitable crop specific production zones, development of facilities for geneuine planting material, skill development of youth for production, marketing, processing, value addition, integrated pack houses, cold storage etc., and establishment of processing industrial parks. It is a high time that policy decision needs to be taken for allotment of degraded forest land on long term lease basis and to develop large scale perennial tree fruits and plantation crops. This will result in sustainable development of degraded land land as well as employment generation in tribal zones of Chhattisgarh.

Dr. Girish Chandel

कृषि पंचांग 2026 का विमोचन

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने 2 जनवरी 2026 को राजभवन में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि पंचांग 2026 का विमोचन किया। श्री डेका ने कृषि पंचांग के प्रकाशन हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल एवं उनके सहयोगियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने इस अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कृषि पंचांग में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे अनुसंधान एवं विस्तार कार्यों के साथ ही नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकी तथा किसानों के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारियों का समावेश किया गया है, जो किसानों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। डॉ. चंदेल ने राज्यपाल श्री डेका को कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित अकादमिक, अनुसंधान तथा विस्तार कार्यों, विकास गतिविधियों एवं उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। डॉ. गिरीश चंदेल ने राज्यपाल श्री डेका को विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि पंचांग 2026 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विगत 20 वर्षों से कृषि पंचांग का प्रकाशन किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न किसानोपयोगी जानकारियों का समावेश होता है।

उन्होंने बताया कि कृषि पंचांग में वर्ष के 12 महीनों के कैलेन्डर एवं पंचांग के साथ-साथ किसानों के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे अनुसंधान, विकास तथा विस्तार कार्यों, विभिन्न फसलों की नवीन उन्नत किस्मों, प्रमुख अनाज, दलहन, तिलहन, फल, फूल, सब्जी, मसाला आदि फसलों की कृषि कार्यमाला एवं उत्पादन तकनीक, नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकी, कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि महाविद्यालयों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों की प्रमुख गतिविधियों को शामिल किया जाता है। विमोचन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कपिल देव दीपक एवं निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एस.एस. टुटेजा भी उपस्थित थे।

Release of Krishi Panchang 2026

The Governor of Chhattisgarh, Mr. Ramen Deka released the Krishi Panchang 2026 published by Indira Gandhi Agricultural University at the Raj Bhavan on 2nd January 2026. Mr. Deka congratulated the Vice Chancellor Dr. Girish Chandel and his team for the publication. Expressing his pleasure on the occasion, the Governor stated that the Krishi Panchang incorporates information on the university's research and extension activities, the latest agricultural technologies, and various schemes run by the Central and State Governments for farmers, which will prove highly beneficial to them. Dr. Chandel also briefed the Governor about the academic, research, and extension0. activities, developmental initiatives, and achievements of the university. Providing details about Krishi Panchang 2026, Vice Chancellor Dr. Girish Chandel informed the Governor that the university has been publishing the Krishi Panchang for the past 20 years, incorporating a wide range of farmer-oriented information. He explained that along with the 12-month calendar and traditional almanac, the publication includes information on government schemes for farmers, the university's research, development, and extension work, newly developed improved crop varieties, crop production practices and technologies for major cereals, pulses, oilseeds, fruits, flowers, vegetables, spices, and other crops, as well as the latest agricultural technologies. It also highlights the key activities of agricultural colleges and Krishi Vigyan Kendras functioning under the university. Also present at the release ceremony were the Registrar Dr. Kapil Dev Deepak and Director Extension Services Dr. S.S. Tuteja.

कृषि दर्शिका का विमोचन

कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने 2 जनवरी 2026 को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि दर्शिका 2026 का विमोचन किया। श्री नेताम ने कृषि दर्शिका के प्रकाशन हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल एवं उनके सहयोगियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि दर्शिका में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे अनुसंधान एवं विस्तार कार्यों के साथ ही नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकी तथा किसानों के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारियों को शामिल किया गया है, जो किसानों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि कृषि विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के किसानों के हित में इसी प्रकार निरंतर प्रयासरत रहेगा। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कृषि मंत्री को विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि दर्शिका 2026 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कृषि दर्शिका में छत्तीसगढ़ राज्य की सामान्य जानकारी, कृषि क्षेत्रफल, प्रमुख कृषि फसलों, उनकी उत्पादन तकनीक, कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे अनुसंधान एवं विस्तार कार्या योजनाओं, गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी रहती है। दर्शिका में विभिन्न खरीफ एवं रबी फसलों जिनमें अनाज, दलहन, तिलहन, लघु धान्य फसलें, चारा फसलें, औषधीय एवं सगंध फसलें तथा फल, फूल एवं सब्जी वाली फसलों की उन्नत कृषि कार्यमाला

Release of IGKV Krishi Diary

Agriculture Minister Mr. Ramvichar Netam released the Krishi Darshika 2026 published by Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya on 2nd January 2026 at his residence office in Naya Raipur. Mr. Netam congratulated the Vice Chancellor Dr. Girish Chandel and his team for the publication. He said that Krishi Darshika includes information on the university's research and extension activities, the latest agricultural technologies, and various schemes run by the Central and State Governments for farmers, which will prove highly useful to them.

He expressed hope that the agricultural university would continue its dedicated efforts in the interest of farmers of Chhattisgarh. Dr. Girish Chandel briefed the Minister about Krishi Darshika 2026, explaining that the publication contains general information about the state of Chhattisgarh, agricultural area, major crops, their production technologies, and details of the university's research, extension work, schemes, activities, and achievements.

The Darshika publishes improved crop production practices for various Kharif and Rabi crops, including cereals, pulses, oilseeds, minor millets, fodder crops, medicinal and aromatic plants, as well as fruits, flowers, and vegetables. It also provides information on the university's activities and achievements over the past year,

प्रकाशित की जाती है। इसके साथ ही कृषि विश्वविद्यालय की विगत वर्ष की गतिविधियों एवं उपलब्धियों, विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों तथा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एवं प्रसारित कृषक उपयोगी प्रौद्योगिकी की जानकारी भी प्रकाशित की जाती है। विभिन्न फसलों के प्रमुख कीट एवं प्रमुख रोग तथा उनका प्रबंधन भी शामिल किया जाता है। कृषि दर्शिका में कृषि विश्वविद्यालय, कृषि तथा संबंधित विभागों एवं किसानों के लिए उपयोगी अन्य संपर्क सूत्रों की जानकारी भी प्रकाशित की जाती है। विमोचन समारोह में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कपिल देव दीपक, निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एस.एस. टुटेजा सहित संपादक मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

improved varieties of crops developed by the university, and farmer-friendly technologies developed and disseminated by the institution. Details regarding major pests and diseases of different crops and their management are also included.

Contact details of the agricultural university, agriculture and allied departments, and other useful contacts for farmers are also provided. The Registrar Dr. Kapil Dev Deepak, Director of Extension Services Dr. S.S. Tuteja, along with members of editorial boad were present

सेवानिवृत्त प्राध्यापकों का सम्मान

कृषि महाविद्यालय, रायपुर के तत्वावधान में तकनीकी स्टॉफ एसोसिएशन, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 1 जनवरी 2026 को नव वर्ष मिलन सह सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों का विदाई एवं सम्मान समारोह स्वामी विवेकानंद सभागार, कृषि महाविद्यालय, रायपुर में भव्य, गरिमामय एवं भावपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में माननीय कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, डॉ. गिरीश चंदेल, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, रायपुर, डॉ. आरती गुहे, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, तकनीकी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त वैज्ञानिक एवं प्राध्यापक उपस्थित थे।

Felicitation of Retired Professors

Under the aegis of the College of Agriculture, Raipur, the Technical Staff Association of Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya organized a New Year get-together along with a farewell and felicitation ceremony for retired scientists and professors.

The event was held in a grand, dignified, and heartfelt atmosphere at the Swami Vivekananda Auditorium of the College of Agriculture, Raipur. The program was attended by the Hon'ble Vice Chancellor of Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Dr. Girish Chandel; the Dean of the College of Agriculture, Raipur, Dr. Arti

इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रोफेसरों एवं वैज्ञानिकों डॉ. संध्यारानी गौर, डॉ. पी.के. चंद्राकर, डॉ. लालजी सिंह, डॉ. के.के. साहू, डॉ. सी. एस. शुक्ला, डॉ. एस.सी. मुखर्जी, डॉ. बी.एस. ठाकुर, डॉ. आर.के. यादव, डॉ. माधव पांडे, एवं डॉ. ए.के. सिंह को पुष्पगुच्छ, शॉल एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा शिक्षा एवं शोध कार्यों में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की गई। समारोह के दौरान नव वर्ष 2026 के दौरान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित टेलीफोन डायरेक्टरी का औपचारिक विमोचन कर विश्वविद्यालय परिवार को समर्पित किया गया।

सहभागिता एवं सौहार्द बढ़ाने के उद्देश्य से क्विज प्रतियोगिता एवं विभिन्न मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने अपने प्रेरक संबोधन में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों से सकारात्मक जीवन दृष्टि अपनाने, नव वर्ष में नये संकल्प लेकर उन्हें पूर्ण करने, अच्छी कार्य-संस्कृति विकसित करने तथा बदलते परिवेश के अनुरूप कार्य-पद्धति में सुधार करने का आवहान किया।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी वर्ष विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत उत्पादक सिद्ध होगा और संस्थागत गौरव में वृद्धि करेगा। कृषि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने कहा कि विश्वविद्यालय का अतीत गौरवशाली रहा है और बहुआयामी उन्नति के लिए सभी को अपनी क्षमताओं का सतत विकास करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष, तकनीकी स्टॉफ एसोसिएशन, डॉ. गजेंद्र चंद्राकर ने सभी अतिथियों, सम्मानितजनों, पदाधिकारियों एवं उपस्थित सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष, तकनीकी स्टॉफ एसोसिएशन, डॉ. पी.के. सांगोड़े द्वारा किया गया।

Guhey, heads of various departments, faculty members; technical staff; and a large number of retired scientists and professors. On this occasion, retired professors and scientists Dr. Sandhyarani Gaur, Dr. P.K. Chandrakar, Dr. Lalji Singh, Dr. K.K. Sahu, Dr. C.S. Shukla, Dr. S.C. Mukherjee, Dr. B.S. Thakur, Dr. R.K. Yadav, Dr. Madhav Pandey, and Dr. A.K. Singh were honored with bouquets, shawls, and gifts in recognition of their remarkable contributions to education and research.

During the ceremony, the Telephone Directory published by the Agricultural University for the New Year 2026 was formally released and dedicated to the university community. To promote participation and camaraderie, a quiz competition and various entertaining games were also organized. In his inspiring address, Vice Chancellor Dr. Girish Chandel urged members of the university community to adopt a positive outlook on life, take new resolutions in the New Year and strive to fulfill them, develop a healthy work culture, and improve work practices in accordance with changing circumstances.

He expressed confidence that the coming year would be highly productive for the university and would enhance its institutional prestige. Dean Dr. Arti Guhey stated that the university's past has been glorious and emphasized the need for everyone to continuously develop their abilities for multidimensional progress. At the end of the program, Dr. Gajendra Chandrakar, President of the Technical Staff Association (Local), expressed gratitude to all guests, honorees, office bearers, and colleagues present. The program was conducted by Dr. P.K. Sangode, President of the Technical Staff Association (Central).

नेहरू पुस्तकालय के कैलेंडर का विमोचन

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने 1 जनवरी 2026 को नेहरू पुस्तकालय द्वारा प्रकाशित टेबल कैलेंडर 2026 का विमोचन किया। कैलेंडर में विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2025 में आयोजित शैक्षणिक एवं पाठ्य सहगामी गतिविधियों को सुरूचिपूर्ण रूप में प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, रापयुर की अधिष्ठाता एवं नेहरू पुस्तकालाध्यक्ष डॉ. आरती गुहे, सहायक पुस्तकालाध्यक्ष श्रीमति माधुरी गौतम, कृषि महाविद्यालय, रायपुर के तकनीकी अधिकारी डॉ. रामा मोहन सावू, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी श्री संजय नैयर सहित नेहरू पुस्तकालय के कर्मचारी भी

Release of Nehru Library Calendar

The Vice Chancellor of Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Raipur, Dr. Girish Chandel, released the Table Calendar 2026 published by the Nehru Library on 1st January 2026. The calendar aesthetically presents the academic and co-curricular activities organized by the university during the year 2025. On this occasion, the Dean of the College of Agriculture, Raipur and Librarian-in-Charge of Nehru Library, Dr. Arti Guhey Assistant Librarian Mrs. Madhuri Gautam; Technical Officer of the College of Agriculture, Raipur, Dr. Rama Mohan Savu, Public Relations Officer Mr. Sanjay Naiyyar, along with the staff of Nehru Library, were also present.

उत्पाद विक्रय केन्द्र के नये स्वरूप का उद्घाटन

39वें स्थापना दिवस (20 जनवरी 2026) के उपलक्ष्य में इदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में उत्पाद विक्रय केन्द्र के नये स्वरूप का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री ज्ञानेन्द्र मणि, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड एवं श्री सुरेश चंद्रवंशी, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद छत्तीसगढ़ शासन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. एस.एस. टूटेजा, निदेशक विस्तार सेवाएं ने बताया की इस केन्द्र के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों से तकनिकी सहायता प्राप्त

Inauguration of Newly-Furnished Product Sales Centre

On the occasion of the 39th Foundation Day (20 January, 2026), the newly furnished Product Sales Centre was inaugurated at Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya. Vice Chancellor, Dr. Girish Chandel, graced the occasion as the Chief Guest. Special Guests included Mr. Gyanendra Mani, Chief General Manager of National Bank for Agriculture and Rural Development, and Mr. Suresh Chandravanshi, Chairman of the Chhattisgarh State Farmers Welfare Council, Government of Chhattisgarh.

Presiding over the program, Dr. S.S. Tuteja, Director of Extension Services, informed that this centre will provide a common platform for the sale of products made by FPOs and Self-Help

एफपीओ और स्वः सहायता समूहों के उत्पादों को विक्रय के लिये एक स्थान प्रदाय किया जा रहा है। इस केन्द्र के माध्यम से विश्वविद्यालय के उत्पाद, भी विक्रय किये जायेंगे। श्री सुरेश चंद्रवंशी, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद, छत्तीसगढ़ शासन ने बताया कि समय पर उपलब्धता के साथ उत्पाद गुणवत्ता भी ध्यान देना चाहिये एवं इसके साथ ही राज्य में अन्य जिलों में भी इस तरह के उत्पाद विक्रय केन्द्र खोले जाना चाहिये।

डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति ने अपने उदबोधन में बताया कि कॉमर्शियल बिजनेस मॉडल के आधार पर ग्रासरी और नॉन ग्रासरी आयटम के साथ विश्वविद्यालय के उत्पादें भी स्थानीय लोगो को प्राप्त होंगे। प्रोडक्ट की गुणवत्ता एवं सप्लाई चैन मेनेजमेंट का भी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विशेष ध्यान दिया जायेगा। विक्रय हेतु उपलब्ध उत्पाद के प्रचार प्रसार का भी प्रयास किया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री ज्ञानेन्द्र मणी, मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा कृषकों को बाजार उपलब्ध कराया जाना एक महत्वपूर्ण कार्य है।

कृषक समूहों के उत्पाद को विक्रय करने से सुविधा प्रदान करना भविष्य में सामूहिक कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। उत्पाद विक्रय के लिये ऑनलाइन माध्यम का उपयोग एवं सही पैकेजिंग भी अत्यंत आवश्यक है। इस कार्यक्रम में डॉ. वी.के. त्रिपाठी, संचालक अनुसंधान, डॉ. संजय शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. आरती गुहे, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, डॉ. अजय वर्मा, अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, डॉ. ए.के. दवे, निदेशक शिक्षण, डॉ. कपिल देव दीपक, कुलसचिव एवं विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं उत्पादक एफपीओ के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ खेती के तिलहन विशेषांक एवं न्यूज लेटर का भी विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. गौतम रॉय, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र रायपुर ने आभार प्रदर्शन किया।

Groups that receive technical support from Krishi Vigyan Kendras. Products of the university will also be sold through this centre. Mr. Suresh Chandravanshi emphasized that along with timely availability, product quality must be ensured, and similar sales centres should be opened in other districts of the state. In his address, Vice Chancellor Dr. Girish Chandel stated that based on a commercial business model, grocery and non-grocery items along with university products will be made available to local people. Special attention will be given by Krishi Vigyan Kendras to product quality and supply chain management, and efforts are also being made for wider promotion of the products available for sale.

Special Guest Mr. Gyanendra Mani said that providing market access to farmers by the university is an important initiative. Facilitating the sale of products made by farmer groups is a significant step toward promoting collective farming in the future. He also highlighted the importance of using online platforms and proper packaging for product sales.

Among those present were Dr. V.K. Tripathi, Director of Research; Dr. Sanjay Sharma, Dean of Student Welfare; Dr. Arti Guhey, Dean, College of Agriculture; Dr. Ajay Verma, Dean, College of Agricultural Engineering; Dr. A.K. Dave, Director of Instruction; Dr. Kapil Dev Deepak, Registrar; heads of departments, faculty members, and representatives of producer FPOs. On this occasion, a special oilseed issue of Chhattisgarh Kheti and a newsletter were also released by the guests. The vote of thanks was delivered by Dr. Gautam Roy, Senior Scientist and Head of Krishi Vigyan Kendra, Raipur.

गणतंत्र दिवस समारोह

देश के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कृषि महाविद्यालय, रायपुर में विश्वविद्यालय स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में तिरंगा फहराया एवं परेड की सलामी ली। 77वें गणतंत्र दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर प्रदेश का एक मात्र विश्वविद्यालय है जिसे शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क में कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के अंतर्गत 28वीं रैंक प्रदान किया गया है जो विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के छात्रों को कृषि की उच्च शिक्षा में अग्रसर करने के लिए देश के लगभग 70 से अधिक अग्रणी विश्वविद्यालयों एवं अनुसंधान संस्थाओं के साथ एक एम.ओ.यू. किया है। डॉ. चंदेल ने बताया कि वर्तमान में 3 स्नातक उपाधि, 20 विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि तथा 19 विषयों में पी.एच.-डी. की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थियों को विगत वर्ष राज्य सरकार, केन्द्र सरकार, सार्वजनिक उपक्रमों तथा निजी संस्थानों में रोजगार प्राप्त हुआ है। कुलपति डॉ. चंदेल ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों, प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों से आव्हान किया कि वे विश्वविद्यालय के प्रगति के लिए पूरी लगन एवं निष्ठा के साथ कार्य करें। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने गणतंत्र दिवस समारोह में विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट कार्य करने वाले गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर आधुनिक कृषि अनुसंधान एवं उन्नत प्रौद्योगिकी को किसानों के खेतों तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं विषय वस्तु विशेषज्ञों को भी सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल के अधिकारियों को भी छात्र हित में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने इस अवसर पर महाविद्यालय के उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्र-छात्राओं, एन.सी.सी. के कैडेट्स एवं एन.एस.एस. के स्वयंसेवकों को बी एवं सी सर्टिफिकेट प्रदान किये। कार्यक्रम के दौरान कृषि

Republic Day Celebration

On the occasion of the nation's 77th Republic Day, Vice Chancellor Dr. Girish Chandel hoisted the National Flag and took the parade salute at the university-level Republic Day celebration held at the College of Agriculture, Raipur.

Addressing the gathering, he stated that the university is the only one in the state to have secured the 28th rank in Agriculture and Allied Sectors under the National Institutional Ranking Framework by the Ministry of Education, Government of India—an achievement of great pride for the institution. He informed that to promote higher agricultural education for students of Chhattisgarh, the university has signed MoUs with more than 70 leading universities and research institutions across the country.

Dr. Chandel shared that the university currently offers 3 undergraduate degree programs, postgraduate degrees in 20 disciplines, and Ph.D. programs in 19 disciplines. He noted that hundreds of students secured employment last year in state and central government departments, public sector undertakings, and private organizations. On this occasion, he called upon university officers, professors, scientists, and staff to work with dedication and commitment for the continued progress of the university. During the ceremony, Dr. Chandel felicitated non-teaching staff members for their outstanding work. Senior scientists and Subject Matter Specialists from various Krishi

महाविद्यालय रायपुर के एन.सी.सी. कैडेट्स एवं छात्र-छात्राओं के बैंड समूह द्वारा आकर्षक प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. कपिल देव दीपक सहित विश्वविद्यालय के संचालकगण, अधिष्ठातागण, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

Vigyan Kendras were also honored for their efforts in delivering modern agricultural research and advanced technologies to farmers' fields.

Officials of the university's placement cell were recognized for their excellent work in the interest of students. He also awarded B and C certificates to meritorious students, NCC cadets, and NSS volunteers. An impressive performance was presented by the NCC cadets and the student band group of the College of Agriculture, Raipur. Among those present were Registrar Dr. Kapil Dev Deepak, Directors, Deans, heads of departments, scientists, staff members, and a large number of students.

बैंक ऑफ बड़ौदा अचीवर्स अवॉर्ड -2026

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के तीन मेधावी छात्रों को कृषि महाविद्यालय, रायपुर के सेमिनार हॉल में 13 मार्च 2026 को आयोजित एक समारोह में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा अचीवर्स अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक वर्षों में अपनी कक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, साजा (बेमेतरा) की प्रथम वर्ष की छात्रा दिलेश्वरी साहू, शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, जगदलपुर के द्वितीय वर्ष के छात्र देविदत्त जेना तथा कृषि महाविद्यालय, रायपुर की तृतीय वर्ष की छात्रा अनुष्का चौरसिया शामिल हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को 31,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने छात्रों में शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल छात्रों को और अधिक परिश्रम करने तथा समाज और कृषि क्षेत्र में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। इंदिरा गांधी कृषि

Bank of Baroda Achievers Award – 2026

Three meritorious students of Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Raipur were honoured with the Bank of Baroda Achievers Award at a ceremony held in the seminar hall of the College of Agriculture, Raipur on 13th March 2026. On this occasion, students who secured the highest positions in their respective classes in different academic years were felicitated.

The awardees included first-year student Dileshwari Sahu from the College of Agriculture and Research Centre, Saja (Bemetara); second-year student Devidatt Jena from Shaheed Gundadhur College of Agriculture and Research Centre, Jagdalpur; and third-year student Anushka Chourasia from the College of Agriculture, Raipur.

Each student was awarded a cash prize of ₹31,000. On this occasion, Dr. Arti Guhey, Dean of the College of Agriculture, Raipur, expressed gratitude to Bank of Baroda for encouraging academic excellence among students. She stated that such initiatives inspire students to work harder and contribute meaningfully to society and the agricultural sector. Dr. A.K. Dave,

विश्वविद्यालय, रायपुर के निदेशक शिक्षण डॉ. ए.के. दवे ने भी इस पहल की सराहना करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा से आग्रह किया कि वह प्रतिवर्ष अचीवर्स अवॉर्ड का आयोजन करता रहे, जिससे छात्रों को उच्च शैक्षणिक उपलब्धियों हेतु प्रेरणा मिलती रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा के उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री प्रदीप यादव ने कहा कि बैंक किसानों और छात्रों के कल्याण के प्रति सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान और शिक्षा का उपयोग समाज तथा कृषि समुदाय के उत्थान के लिए करें। उन्होंने समाज के कल्याण और राष्ट्र के आर्थिक विकास में कृषि स्नातकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में कृषि स्नातकों के लिए उज्ज्वल भविष्य की संभावनाएँ हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि बैंक आने वाले वर्षों में भी युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे कार्यक्रम जारी रखेगा। समारोह के अंत में बैंक ऑफ बड़ौदा और विश्वविद्यालय के बीच शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने तथा कृषि क्षेत्र के प्रतिभाशाली छात्रों की उपलब्धियों को सम्मानित करने के लिए किए जा रहे सहयोग की सराहना की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशकगण, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य तथा विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन कृषि महाविद्यालय, रायपुर के अधिष्ठाता के तकनीकी अधिकारी डॉ. रामा मोहन सावू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

Director of Instruction at Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya Raipur, also appreciated the initiative and urged Bank of Baroda to regularly organize the Achievers Award every year, as it motivates students to strive for higher academic achievements. Addressing the gathering, Mr. Pradeep Yadav, Deputy Regional Manager of Bank of Baroda, said that the bank remains committed to the welfare of farmers and students. He encouraged the award-winning students to use their knowledge and education for the upliftment of society and the agricultural community. He also highlighted the significant role of agriculture graduates in social welfare and the economic development of the nation.

He noted that there are promising career opportunities for agriculture graduates in the banking sector. He further assured that the bank will continue to organize such programmes in the coming years to encourage young talent. At the end of the ceremony, the collaborative efforts between Bank of Baroda and the university to promote academic excellence and honour talented students in the agricultural field were appreciated. The programme was attended by deans, directors, heads of departments, faculty members, and students of the university. The ceremony concluded with a vote of thanks delivered by Dr. Rama Mohan Savu, Technical Officer to the Dean of the College of Agriculture, Raipur.

“एग्री टेक मिलन-2026”

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित स्वामी विवेकानंद अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा 14 एवं 15 मार्च को आयोजित दो दिवसीय एल्युमिनी मीट "एग्री टेक मिलन 2026" में महाविद्यालय के पांच सौ से अधिक पूर्व छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इस अवसर पर दो दिवसीय प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेला भी आयोजित किया गया। एग्री टेक मिलन 2026 का शुभारंभ 14 मार्च को प्रातः 11 बजे इंदिरा गांधी कृषि

“Agri Tech Milan-2026”

A two-day alumni meet, “Agri Tech Milan 2026,” was organized on 14 and 15 March by Swami Vivekananda College of Agricultural Engineering and Technology, Raipur. More than 500 former students of the college participated in this event. On this occasion, a two-day technology exhibition fair was also organized in which various farmer-friendly innovative technologies developed by the College of Agricultural Engineering were displayed.

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल द्वारा किया गया। समारोह की अध्यक्षता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अजय वर्मा ने की। इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठातागण, निदेशकगण, कुलसचिव एवं छत्तीसगढ़ शासन कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कृषि महाविद्यालय, रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा, निदेशक शिक्षण डॉ. ए. के. दवे, संचालक अनुसंधान डॉ. वी. के. त्रिपाठी, निदेशक विस्तार, डॉ. एस. एस. टूटेजा, अपर संचालक कृषि अभियांत्रिकी विभाग श्री जी. के. पीढ़िया, प्रगतिशील कृषक श्री बिसेश्वर साहू एवं डॉ. एम. पी. त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. आर. के. नायक ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया।

The event was inaugurated on 14 March at 11:00 a.m. by the Vice-Chancellor IGKV, Dr. Girish Chandel. The programme was chaired by the Dean of the college, Dr. Ajay Verma. Deans, Directors, the Registrar of the university, and senior officials from the Agriculture Department of the Government of Chhattisgarh were also present as distinguished guests.

Distinguished guests at the event included Dr. Arti Guhey, Dean, College of Agriculture, Raipur, Dr. Sanjay Sharma, Dr. A.K. Dave, Dr. V.K. Tripathi, Dr. S.S. Tuteja, Mr. G.K. Pidhia, Additional Director, Department of Agril. Engg., progressive farmer Mr. Biseshwar Sahu, and Dr. M.P. Tripathi. The programme concluded with a vote of thanks by Dr. R.K. Nayak.

कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर प्रशिक्षण

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि महाविद्यालय, रायपुर में 16 से 20 मार्च तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की विभिन्न प्रविधियों एवं उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर इन क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 17 महाविद्यालयों के प्राध्यापकों एवं वैज्ञानिकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आई.आई.टी. भिलाई, आई.आई.आई.टी. नया रायपुर, एन.आई.टी. रायपुर, आई. आई. एम. रायपुर, हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिर्वसिटी नया रायपुर, गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर, आई.सी.ए.आर.-नार्म हैदराबाद तथा आई.सी.ए.आर - एन.आई.बी.एस.एम. बरोण्डा जैसे राष्ट्रीय

Training on Artificial Intelligence in Agriculture

A five-day training programme on the effective use of Artificial Intelligence (AI) in teaching and research has commenced at Indira Gandhi Agricultural University.

Being held from 16 to 20 March at the College of Agriculture, Raipur, the programme focuses on practical methods and tools of AI to achieve excellence in agricultural education and research. Faculty members and scientists from 17 colleges under the university participated.

Experts from leading national institutions including Indian Institute of Technology Bhilai, International Institute of Information Technology Naya Raipur, National Institute of Technology Raipur, Indian Institute of Management Raipur, Hidayatullah National Law University, Guru Ghasidas

संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को कृषि शिक्षा अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की विभिन्न टेकनिक्स एवं टूल्स के प्रभावी उपयोग के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ इदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), भिलाई के निदेशक डॉ. राजीव प्रकाश तथा आई.सी.ए.आर.-राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान (एन.आई.बी.एस.एम.) बरोण्डा के निदेशक डॉ. पी.के. राय ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कपिलदेव दीपक सहित कृषि विश्वविद्यालय के निदेशकगण तथा विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठातागण उपस्थित थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम की संयोजक कृषि महाविद्यालय रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे हैं।

Vishwavidyalaya, ICAR-National Academy of Agricultural Research Management, and ICAR-National Institute of Biotic Stress Management are guiding participants on the effective use of various AI techniques and tools in agricultural education and research.

The programme was inaugurated by the Vice-Chancellor of the university, Dr. Girish Chandel. Keynote addresses were delivered by Dr. Rajeev Prakash, Director of IIT Bhilai, and Dr. P.K. Rai, Director of ICAR-NIBSM, Baronda. The Registrar, Dr. Kapil Dev Deepak, along with university Directors and Deans of various colleges, were also present. The programme is coordinated by Dr. Arti Guhey, Dean of the College of Agriculture, Raipur.

उज्बेकिस्तान से कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए समझौता

उज्बेकिस्तान के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी आगामी शैक्षणिक वर्ष से कृषि के क्षेत्र में उच्च शिक्षा तथा अनुसंधान हेतु छत्तीसगढ़ आएंगे और छत्तीसगढ़ के विद्यार्थी अध्ययन एवं अनुसंधान हेतु उज्बेकिस्तान जाएंगे। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर तथा उज्बेकिस्तान के पांच विश्वविद्यालयों के मध्य कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आपसी सहयोग हेतु समझौते किये गए हैं। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के नेतृत्व वाले प्रतिनिधि मंडल के विगत दिनों उज्बेकिस्तान प्रवास के दौरान ताशकंद स्टेट एग्रेरियन यूनिवर्सिटी, बुखारा स्टेट यूनिवर्सिटी, समरकंद स्टेट वेटेरिनरी, तेरमेज़ इंस्टीट्यूट तथा देनोव इंस्टीट्यूट के बीच शिक्षा, अनुसंधान, जैव प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता विकास आदि क्षेत्रों में सहयोग हेतु अनेक समझौते हस्ताक्षरित किए गए। इन समझौतों से छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रमों संयुक्त अनुसंधान पहलों, शैक्षणिक गतिशीलता और अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है जिससे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की वैश्विक भागीदारी बढ़ेगी। कुलपति डॉ. चंदेल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने उज्बेकिस्तान के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं भी तलाशी जिनमें चांवल अनुसंधान, औषधीय फसलों की खेती, जैव प्रौद्योगिकी और कृषि उद्यमिता प्रमुख हैं। प्रतिनिधिमंडल ने उज्बेकिस्तान में कृषि आधारित उद्योगों के विकास में भारतीय किसान उत्पादक

MoU for Agricultural Education and Research with Uzbekistan

From the coming academic year, students from universities in Uzbekistan will come to Chhattisgarh for higher education and research in agriculture, while students from Chhattisgarh will travel to Uzbekistan for study and research. This follows a series of cooperation agreements signed between Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Raipur, and five Uzbek universities to promote collaboration in agricultural education and research.

During a recent visit to Uzbekistan by a delegation led by Vice-Chancellor Dr. Girish Chandel, MoUs were signed with Tashkent State Agrarian University, Bukhara State University, Samarkand State Veterinary University, Termez State Pedagogical Institute, and Denov Institute of Entrepreneurship and Pedagogy. These agreements cover cooperation in education, research, biotechnology, and entrepreneurship development.

They are expected to promote student and faculty exchange programmes, joint research initiatives, academic mobility, and international internships, thereby strengthening the university's global engagement. The delegation also explored collaboration in rice research, cultivation of medicinal crops, biotechnology, and agricultural entrepreneurship. Discussions were held on the possible involvement of Indian Farmer Producer

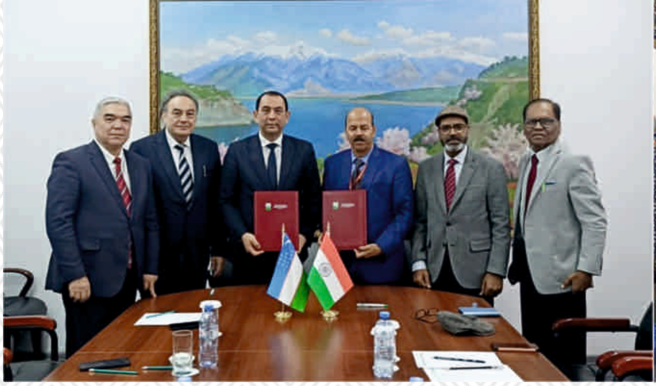

संगठनों की भागीदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा की। उज्बेकिस्तान के विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु काफी रूचि दिखाई। डॉ. चंदेल ने आशा व्यक्त की कि जिस प्रकार बड़ी संख्या में भारतीय छात्र मेडिकल शिक्षा के लिए उज्बेकिस्तान जाते हैं उसी प्रकार भविष्य में उज्बेकिस्तान के विद्यार्थी कृषि शिक्षा प्राप्त करने लिए छत्तीसगढ़ आएंगे।

Organizations in the development of agriculture-based industries in Uzbekistan.

Students studying in Uzbek universities showed keen interest in pursuing higher education in Chhattisgarh. Dr. Chandel expressed hope that, just as many Indian students go to Uzbekistan for medical education, Uzbek students would in future come to Chhattisgarh for agricultural studies.

लैंगिक समानता एवं सुरक्षा पर कार्यशाला

भारतीय संस्कृति, परंपराओं और वांगमय में स्त्रियों को विशिष्ट स्थान प्रदान किया गया है। नवरात्रि पर्व में नौ दिनों तक नव दुर्गा का रूप में नारी शक्ति की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि स्त्रियां किसी भी मामले में पुरूषों से कम नहीं है और वह हर एक काम कर सकती है जो पुरूष कर सकते हैं। बस उन्हें अपना आत्मविश्वास बनाए रखना होगा और अपनी सामर्थ्य दुनिया को दिखानी होगी। महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना होगा तथा लैंगिक असमानता, भेद-भाव और उत्पीड़न के विरूद्ध आवाज बुलंद करनी होगी। नगर निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने इस आशय के विचार इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला "उड़ानः जागरूकता से सशक्तीकरण" में व्यक्त किये। इस कार्यशाला का आयोजन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में 25 मार्च 2026 को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि आज का युग नारी सशक्तीकरण का युग है जहां महिलाएं हर क्षेत्र में पुरूषों की बराबरी कर रही हैं और उनके बराबर ही सफलता अर्जित कर रही हैं। आज किसी भी बोर्ड परीक्षा या प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम देखें तो हर परीक्षा में बालिकाएं या महिलाएं शीर्ष पर दिखाई देती हैं। प्रावीण्य सूची में

Workshop on Gender Equality and Safety

A one-day workshop titled "Udaan: Empowerment through Awareness" was organized at Indira Gandhi Agricultural University to promote gender equality and women's safety. The workshop was jointly conducted by the Office of the Dean, Student Welfare, and the Women Harassment Prevention Cell of the university on 25th March 2026.

Addressing the gathering as Chief Guest, Mayor of Raipur Municipal Corporation, Mrs. Meenal Choubey, said that Indian culture, traditions, and literature accord a special place to women. Referring to the festival of Navratri, during which feminine power is worshipped in the form of the nine manifestations of Goddess Durga, she emphasized that women are in no way inferior to men and are capable of performing every task that men can. She stressed the need for women to remain confident, recognize their rights, and raise their voices against gender inequality, discrimination, and harassment.

The programme was presided over by the Vice-Chancellor, Dr. Girish Chandel. In his address, he remarked that the present era is one of women's empowerment, where women are achieving success on par with men in every field. He noted that in board and competitive examinations, girls and women

भी महिलाओं का वर्चस्व होता है। इसी प्रकार देश में हर क्षेत्र में महिलाओं की समान भागीदारी दिखाई देती है। डॉ. चंदेल ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित विभिन्न महाविद्यालयों में अध्यनरत बालिकाओं की संख्या बालकों की संख्या के लगभग बराबर है। इसी तरह आज बड़ी संख्या में महिला प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक भी कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में महिला सुरक्षा और समानता के लिए बहुत अच्छे प्रयास किए जा रहे हैं और यहां का वातावरण महिलाओं के लिए काफी सुरक्षित है। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमति रूचि वर्मा सहायक पुलिस कमिश्नर ने भारतीय न्याय सहिता में महिलाओं की सुरक्षा, समानता तथा लैंगिक भेद-भाव एवं उत्पीड़न हेतु किए गए प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सुश्री नलिनी शर्मा आहार एवं योग विशेषज्ञ ने महिलाओं की स्वास्थ्य रक्षा एवं आहार की गुणवत्ता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने स्वस्थ्य रहने के लिए सामान्य योगासन, प्राणायाम एवं सूक्ष्म व्यायाम के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी एवं इनका जीवंत प्रदर्शन किया। डॉ. रोली तिवारी प्राध्यापक शिक्षा मनोविज्ञान विभाग पं. रवि शंकर विश्वविद्यालय ने महिलाओं की मनोवैज्ञानिक स्थिति, मानसिक स्वास्थ्य तथा मानसिक सबलीकरण पर उपयोगी जानकारी प्रदान की।

कार्यशाला के प्रारंभ में महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. दीप्तीमयी दास ने विश्वविद्यालय में महिलाओं की लैंगिक समानता तथा महिला सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यो की जानकारी देते हुए कार्यशाला की रूप-रेखा प्रतिपादित की। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा ने विश्वविद्यालय में महिला समानता एवं सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों की वजह से विगत कुछ वर्षों में विश्वविद्यालय में लैंगिक उत्पीड़न का कोई भी प्रकरण सामने नहीं आया है। कृषि महाविद्यालय रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने भी कार्यशाला को संबोधित किया। महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ की सदस्य सचिव डॉ. ज्योति भट्ट ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में प्राध्यापक एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

frequently secure top ranks and dominate merit lists. He added that in the colleges under the university, the number of female students is nearly equal to that of male students, and a large number of women faculty members and scientists are also serving. He highlighted the university's sustained efforts to ensure gender safety and equality, stating that the campus environment is highly secure for women.

As a special guest, Assistant Commissioner of Police Mrs. Ruchi Verma provided detailed information on legal provisions related to women's safety, equality, and protection against gender discrimination and harassment under Indian law. Nutrition and yoga expert Ms. Nalini Sharma spoke about women's health, the importance of a balanced diet, and demonstrated simple yogasanas, pranayama, and micro-exercises for maintaining good health.

Dr. Roli Tiwari, Professor in the Department of Educational Psychology at Pt. Ravishankar Shukla University, shared insights on women's psychological well-being, mental health, and empowerment. At the beginning of the workshop, Dr. Deeptimayi Das, Chairperson of the Women Harassment Prevention Cell, outlined the objectives of the workshop and highlighted the university's initiatives toward gender equality and women's safety.

Dr. Sanjay Sharma, Dean Student Welfare, appreciated these efforts and noted that due to such measures, no incidents of gender harassment have been reported in the university in recent years. Dr. Arti Guhey, Dean, College of Agriculture, Raipur, also addressed the participants. The workshop concluded with a vote of thanks by Dr. Jyoti Bhatt, Member Secretary of the Women Harassment Prevention Cell. A large number of faculty members and students attended the programme.

राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की बैठक

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की 21वीं बैठक का कृषि महाविद्यालय रायपुर के सभाकक्ष में 27 मार्च 2026 को आयोजन किया गया, जिसमें समाज सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं युवा सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। कुलपति डॉ गिरीश चंदेल की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक की शुरुआत अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा द्वारा "स्वयं से पहले आप" के प्रेरणादायक संदेश के साथ की गई। उन्होंने स्वच्छता को जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने पर जोर दिया। इसके पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना की राज्य समन्वयक डॉ. नीता बाजपेयी ने रक्तदान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन बचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है और इसके प्रति जन-जागरूकता आवश्यक है। डॉ. गिरीश चंदेल ने विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता को जन-अभियान के रूप में संचालित करने का सुझाव देते हुए विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी पर बल दिया। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों की सफाई, वृक्षारोपण तथा नशा मुक्ति जैसे कार्यों पर विशेष चर्चा की गई। जल संरक्षण के संदर्भ में यह चिंता व्यक्त की गई कि बढ़ते प्रदूषण के कारण जल स्रोत प्रभावित हो रहे हैं तथा लगभग 30% पेयजल व्यर्थ हो रहा है। इस पर समाधानात्मक पहल करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करने तथा प्लास्टिक बोतलों के प्रयोग को कम करने का संकल्प भी लिया गया। डॉ. रत्ना नशीने ने राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से युवाओं को समाज सेवा से जोड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने अबूझमाड़ में पीस मैराथन, "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान, वीड मैनेजमेंट, टीकाकरण कार्यक्रम एवं मिलेट्स मिशन जैसी गतिविधियों का उल्लेख किया। प्रशिक्षण एवं उपलब्धियों के अंतर्गत विद्यार्थियों को च्प्य् प्रशिक्षण एवं राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए तैयार करने पर भी चर्चा हुई, जिससे उनका समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके। डॉ. आशुतोष ने कार्यशालाओं एवं बैठकों को ज्ञान और जागरूकता का महत्वपूर्ण माध्यम बताया, वहीं साक्षी सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से पिछले चार वर्षों में हुए कार्यों की सराहना करते हुए पर्यावरण क्षेत्र में और अधिक प्रयासों की आवश्यकता जताई। अंत में डॉ. सुबुही निषाद ने रक्तदान एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने पर जोर दिया, विशेषकर महिलाओं, युवाओं एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को जागरूक करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम के समापन पर सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना परिवार के सभी सदस्यों ने "स्वयं से पहले आप" के मूल मंत्र को अपनाते हुए समाज सेवा के प्रति निरंतर समर्पित रहने का संकल्प लिया।

Meeting of National Service Scheme Advisory Committee

The 21st meeting of the National Service Scheme (NSS) Advisory Committee of Indira Gandhi Agricultural University was held today in the auditorium of the College of Agriculture, Raipuron 27th Macrch 2026. The meeting featured extensive discussions on important themes such as social service, cleanliness, environmental conservation, and youth empowerment. The meeting, chaired by Vice-Chancellor Dr. Girish Chandel, began with an inspiring message, "You Before Self," delivered by Dean of Student Welfare Dr. Sanjay Sharma. He emphasized making cleanliness an integral part of one's lifestyle.

Thereafter, the State Coordinator of the National Service Scheme, Dr. Neeta Bajpai, highlighted the importance of blood donation, stating that it is a vital means of saving lives in emergency situations and that public awareness about it is essential.

Dr. Girish Chandel suggested running cleanliness initiatives in the university campus as a mass movement and stressed the active participation of students. Through a special campaign, detailed discussions were held on environmental protection, cleaning of water sources, tree plantation, and de-addiction efforts. Expressing concern over water conservation, it was noted that increasing pollution is affecting water sources and that nearly 30% of potable water is being wasted. The need for corrective and solution-oriented initiatives was strongly emphasized. A pledge was also taken to eliminate the use of single-use plastics and to reduce the use of plastic bottles. Dr. Ratna Nashine shared her experiences and emphasized the need to connect youth with social service through the National Service Scheme. She mentioned activities such as the Peace Marathon in Abujhmad, the "One Tree in Mother's Name" campaign, weed management, vaccination drives, and the Millets Mission. Under the agenda of training and achievements, discussions were also held on preparing students for training programs and national awards to ensure their holistic development. Dr. Ashutosh described workshops and meetings as important mediums for knowledge and awareness, while Sakshi Singh appreciated the work done through the NSS over the past four years and called for greater efforts in the field of environmental protection. In conclusion, Dr. Subuhi Nishad emphasized organizing blood donation and social awareness programs regularly, particularly to raise awareness among women, youth, and economically weaker sections. The program concluded with a vote of thanks to all guests and participants. All members of the National Service Scheme family pledged to adopt the core motto "You Before Self" and remain continuously dedicated to social service.

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय

न्यूज़लेटर | अक्टूबर से दिसंबर 2025

- संरक्षक एवं मार्गदर्शक : डॉ. गिरीश चंदेल, माननीय कुलपति
- संयोजक : डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, संचालक अनुसंधान
- कार्यकारी सम्पादक : संजय नैयर, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

संपादक मण्डल

- डॉ. धनंजय शर्मा, सह संचालक अनुसंधान
- डॉ. गणेशी लाल शर्मा, विभागाध्यक्ष, फल विज्ञान
- डॉ. रामा मोहन सावू, वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान
- डॉ. शुभा बैनर्जी, सहायक प्राध्यापक, बायोटेक्नोलॉजी
- डॉ. रवि श्रेय, सहायक प्राध्यापक, कृषि अर्थशास्त्र

- Patron : Dr. Girish Chandel, Hon'ble Vice-Chancellor
- Convener : Dr. Vivek Kumar Tripathi, Director Research
- Executive Editor : Sanjay Nayyar, Information & Public Relations Officer

Editorial Board

- Dr. Dhananjay Sharma, Associate Director Research
- Dr. Ganeshi Lal Sharma, HOD, Fruit Science
- Dr. Rama Mohan Savu, Scientist, Agronomy
- Dr. Shubha Banerjee, Assistant Professor, Biotechnology
- Dr. Ravi Shrey, Assistant Professor, Agricultural Economics

प्रकाशक : जन संचार एवं प्रकाशन प्रकोष्ठ, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)

Publisher : Mass Communication & Publication Cell, IGKV, Raipur (C.G.)

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)

Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Raipur (C.G.)

www.igkv.ac.in | info@igkv.ac.in | 0771-2442537 | igkvkisan | igkv_kisan | IGKV-KISAN